

## दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र-II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

## प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल आठ प्रश्न दिए गए हैं जो हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

## PHILOSOPHY (PAPER-II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

## QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

**खण्ड—A / SECTION—A**

1. निम्नलिखित पाँचों भागों में से प्रत्येक का समालोचनात्मक उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में दीजिए :

Answer all the five parts below critically in not more than 150 words each :

10×5=50

- (a) क्या भ्रष्टाचार से केवल नैतिक पहलू ही नहीं बरन् आर्थिक पहलू भी जुड़ा है?  
Does corruption have not only a moral dimension but also an economic dimension?
- (b) भारतीय संविधान में नागरिकों के कर्तव्यों के समावेश का क्या महत्त्व है?  
What is the significance of including duties of citizens in the Indian Constitution?
- (c) क्या सभी धर्मों को समान आदर का भाव एक संगत व कार्यात्मक राष्ट्रीय नीति प्रदान करता है?  
Does the idea of equal respect to all religions provide a consistent and viable state policy?
- (d) क्या प्रजातंत्र व समाजवाद का संयोग अधिक समानता का समाज बनाता है?  
Does the combination of democracy and socialism lead to a more equitable society?
- (e) भारतीय संदर्भ में, क्या जातिभेद ने प्रजातांत्रिक प्रणाली को प्रभावित किया है?  
Is there any impact of caste discrimination on democracy in Indian context?

2. निम्नलिखित में से प्रत्येक की समालोचनात्मक विवेचना अधिकतम 250 शब्दों में कीजिए :

Discuss the following critically in not more than 250 words each : 15+15+20=50

- (a) 'प्रजातंत्र' से क्या अभिप्राय है? प्रजातांत्रिक सरकारों के कौन-कौन से विभिन्न रूप होते हैं?  
What is meant by 'democracy'? What are the various forms of democratic governments?
- (b) क्या प्रजातांत्रिक सरकार अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा करने में समर्थ होती है?  
Is a democratic government able to represent the interests of minority groups?
- (c) क्या प्रजातांत्रिक सरकार उदारवादी तानाशाही से बेहतर होती है? अपने उत्तर के कारण बताइए।  
Is a democratic government better than a benevolent dictatorship? Give reasons for your answer.

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक की समालोचनात्मक विवेचना अधिकतम 250 शब्दों में कीजिए :

Discuss the following critically in not more than 250 words each : 15+15+20=50

- (a) 'लिंग समानता' से आप क्या समझते हैं और यह क्यों महत्वपूर्ण है?  
What do you understand by 'gender equality' and why is it important?



(b) पुरुष व महिला में बराबरी के लिए क्या आर्थिक स्वतंत्रता आवश्यक है?

Is economic independence essential for equality between men and women?

(c) इस संदर्भ में राजनैतिक संगठनों में महिलाओं का यथेष्ट प्रतिनिधित्व क्यों महत्वपूर्ण है?

Why is adequate representation of women in political institutions important in this context?

4. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए :

Answer the following in not more than 250 words each :

15+15+20=50

(a) अरस्तू की न्याय की अवधारणा समझाइए और उसका मूल्यांकन कीजिए।

Explain and evaluate Aristotle's conception of justice.

(b) 'निष्पक्ष न्याय' से आप क्या समझते हैं? रॉल्स के न्याय के सिद्धांत के मूल बिन्दुओं को समझाइए।

What is meant by 'justice as fairness'? Explain the basic tenets of Rawls' theory of justice.

(c) न्याय के प्रति अमर्त्य सेन और रॉल्स की सोच में क्या अंतर है?

How is Amartya Sen's approach to justice different from that of Rawls?

#### खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक की समालोचनात्मक विवेचना अधिकतम 150 शब्दों में कीजिए :

Discuss the following critically in not more than 150 words each :

10×5=50

(a) क्या धर्म भगवान का परित्याग नहीं कर सकता?

Is God indispensable for religion?

(b) क्या धार्मिक नैतिकता व्यक्तिगत स्वतंत्रता की संगत है?

Is religious morality consistent with individual freedom?

(c) क्या मानवीय प्रयासों से भिन्न कोई अन्य साधन मोक्ष प्राप्ति के लिए प्रेरक है?

Is there anything else other than human efforts which may be conducive to attainment of liberation?

(d) क्या आस्तिक लोग संसार में दैवी बुराई को अच्छाई का ही दूसरा आवश्यक पहलू बताने में सफल हुए हैं?

Do theists succeed in explaining the natural evil in the world as a necessary counterpart to good?

(e) क्या धार्मिक आस्था तर्क के विरुद्ध है?

Is religious faith opposed to reason?

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए :

Answer the following in not more than 250 words each :

15+15+20=50

- (a) पाश्चात्य व भारतीय दर्शन में भगवान के अस्तित्व के पक्ष में दिए ब्रह्माण्ड संबंधी तर्क बताइए और उसकी विवेचना कीजिए।

State and elucidate the cosmological argument for the existence of God in Western and Indian philosophy.

- (b) इस तर्क के विरुद्ध दो मुख्य आपत्तियों की विवेचना कीजिए। क्या आस्तिक लोग इनका संतोषजनक उत्तर दे पाए हैं?

Discuss two main objections against this argument. Are theists able to answer these satisfactorily?

- (c) भगवान के अस्तित्व के लिए गढ़े गए तर्क के विरुद्ध तीन मुख्य आपत्तियों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

Critically evaluate three major objections against the argument from design for the existence of God.

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक की विवेचना अधिकतम 250 शब्दों में कीजिए :

Discuss the following in not more than 250 words each :

15+15+20=50

- (a) दैवी अनुभव की प्रकृति क्या होती है?

What is the nature of mystical experience?

- (b) क्या दैवी अनुभव की भिन्न-भिन्न रूपों में व्याख्या की जा सकती है?

Is mystical experience open to different interpretations?

- (c) क्या दैवी अनुभव को ज्ञान का अधिकृत स्रोत माना जा सकता है?

Can mystical experience be regarded as a valid source of knowledge?

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक की विवेचना अधिकतम 250 शब्दों में कीजिए :

Discuss the following in not more than 250 words each :

15+15+20=50

- (a) “धार्मिक भाषा गैर-संज्ञानात्मक है।” इस कथन का क्या आशय है?

What is meant by saying that religious language is non-cognitive?

- (b) क्या धार्मिक भाषा को सत्यापन-योग्य कहा जा सकता है?

Can religious language be said to be verifiable?

- (c) क्या संज्ञानात्मकतावादी झूठ पर आधारित आपत्ति का समुचित उत्तर दे पाते हैं?

Do cognitivists provide a cogent answer to the objection based on falsifiability?

★ ★ ★